Order book position of BHEL

561. SHRI N.E. BALARAM:
SHRI N. GIRI PRASAD:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the BHEL's order book position has been declining during the Eighth Five Year Plan Period;

(b) if so, the details of the position, yearwise, during the Eighth Plan Period, and how does it compares with that for the Seventh Five Year Plan Period; and

(c) what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPTT. OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPTT. OF HEAVY INDUSTRY) (SMT KRISHNA SAHI): (a) Yes, Sir.

(b) The details of orders received during 7th Plan and 8th Plan Period are as under:

7th Plan Period
1985-86 4700MW
1986-87 1757 MW
1987-88 3042 MW
1988-89 2106 MW
1989-90 1749 MW

8th Plan Period
1992-93 1270 MW
1993-94 1170 MW
(as on 15.2.94)

(c) The main reason for the shortfall in orders is paucity of investible funds with the State Electricity Boards and Power Corporations in India.

Relief to Hindustan Photo Films Ltd.

562. SHRI N. E. BALARAM:
SHRI N. GIRI PRASAD:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are considering a proposal to provide Rs. 150 crore relief to the Ooty-based Hindustan Photo Films Ltd. (HPF); and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPTT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPTT. OF HEAVY INDUSTRY) (SMT. KRISHNA SAHI): (a) and (b) For the current year 1993-94, there exists a provision of Rs. 6.5 crores as Plan Budgetary support for Hindustan Photo Films Manufacturing Co. Ltd. Budget provisions for 1994-95 are yet to be voted by Parliament.

कम औद्योगिक उत्पादन

563. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार का ध्यान 21 जनवरी 1994 के दैनिक "आब्जर्वर" में "लो इंडस्ट्रियल आउट-पुट कन्टीन्यूज" शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि वर्ष 1993-94 की प्रथम छमाही में देश की औद्योगिक विकास की दर मात्र 1.5 प्रतिशत ही थी, जो गत वर्ष 1992-93 के इन्हीं माहों की तुलना में और भी कम थी;

(ग) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के प्रथम आठ महीनों में व्यापारिक बैंकों द्वारा औद्योगिक क्षेत्र को दिया गया ऋण गत वित्तीय वर्ष के इन्हीं महीनों में दिये गये ऋण की तुलना में बहुत कम था;

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं,

(ङ) क्या यह भी सच है कि सरकार द्वारा शुरू किये गये आर्थिक सुधार के कार्यक्रमों का लाभ देश के उद्योगों को प्राप्त नहीं हो पा रहा है; और

(च) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में राज्य मंत्री और उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही): (क) तथा (ख) के.सा.सं. द्वारा दिये गये औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक के त्वरित अनुमानों के अनुसार अप्रैल-सितम्बर 1993 के दौरान औद्योगिक उत्पादन में 1.6% की वृद्धि हुई जबकि 1992-93 की इसी अवधि में यह वृद्धि 3.8% थी।

(ग) और (घ) लघु, मध्यम और बड़े उद्योगों को दिये हुए क्षेत्रवार बैंक ऋणों के अक्तूबर 1993 तक के आंकड़े यह दर्शाते हैं कि मार्च-अक्तूबर 1993 के दौरान